



॥ जय माँ मनसा देवी ॥

माँ मनसा देवी मंदिर

हरिद्वार

श्री महंत रवींद्र पुरी



दिनांक : 30-6-26

माँ मनसा देवी मंदिर हरिद्वार, मास्टर मोलिक जैन एवं उनकी युवा छात्र टीम द्वारा संचालित "अमृत धारा – Faith to Future" पहल की सराहना करते हुए यह प्रशंसा पत्र प्रदान करता है।

भारतीय सनातन परंपरा में भगवान को अर्पित पुष्प एवं पूजा सामग्री केवल वस्तुएँ नहीं होतीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक भावनाओं का प्रतीक होती हैं। अतः इन पवित्र अर्पणों का सम्मानपूर्वक प्रबंधन भी धार्मिक उत्तरदायित्व का महत्वपूर्ण भाग है।

अमृत धारा पहल ने इन पवित्र पुष्पों को पुनः धार्मिक उपयोग में लाने का एक अभिनव मार्ग प्रस्तुत किया है। त्यागी गई पुष्प सामग्री को धूप कोन एवं सामब्राणी कप जैसे उत्पादों में परिवर्तित कर यह पहल धार्मिक आस्था एवं पर्यावरण संरक्षण के मध्य एक सुंदर सेतु का कार्य कर रही है।

यह प्रयास श्रद्धालुओं को यह संदेश देता है कि प्रकृति संरक्षण भी धर्म का अभिन्न अंग है तथा भगवान को अर्पित सामग्री का सम्मानजनक पुनः उपयोग पर्यावरण एवं समाज दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है।

हम विशेष रूप से इस तथ्य की सराहना करते हैं कि इस पहल के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को उत्पादन गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भरता एवं आजीविका के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

माँ मनसा देवी मंदिर, हरिद्वार मास्टर मोलिक जैन एवं उनकी युवा छात्र टीम को इस अभिनव एवं प्रेरणादायक कार्य हेतु हार्दिक बधाई देता है तथा उनके प्रयासों की निरंतर सफलता एवं व्यापक विस्तार के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित करता है।

सादर,

Ravindra Puri

(महंत रवींद्र पुरी)

श्री महंत

माँ मनसा देवी मंदिर, हरिद्वार

